Under CSR Support by ipca Foundation missiongyan

अध्याय – 5 | कबीर के दोहे (कबीर)

QUIZ PART-03

1. "गुरु गोविंद दोऊ खड़े..." दोहे में किसका महत्व बताया गया है?
   A. श्रम का महत्व
   B. गुरु का महत्व
   C. धन का महत्व
   D. बल का महत्व (B)

व्याख्या : इस दोहे में गुरु को सर्वोच्च स्थान दिया गया है क्योंकि गुरु ही ईश्वर का मार्ग बताते हैं।

2. "अति का भला न बोलना..." दोहे का मुख्य संदेश क्या है?
   A. हमेशा चुप रहना चाहिए
   B. वर्षा और धूप से बचना चाहिए
   C. हर परिस्थिति में संतुलन आवश्यक है
   D. अधिक बोलना चाहिए (C)

व्याख्या : इस दोहे में बताया गया है कि किसी भी चीज़ की अति अच्छी नहीं होती, इसलिए जीवन में संतुलन आवश्यक है।

3. "बड़ा हुआ तो क्या हुआ जैसे पेड़ खजूर..." दोहा किस जीवन कौशल पर बल देता है?
   A. समय का सदुपयोग करना
   B. दूसरों के काम आना
   C. परिश्रम करना
   D. प्रसिद्ध होना (B)

व्याख्या : खजूर का पेड़ ऊँचा होकर भी दूसरों को छाया नहीं देता। इससे शिक्षा मिलती है कि हमें दूसरों के काम आना चाहिए।

4. मधुर वाणी बोलने का सबसे बड़ा लाभ क्या है?
   A. लोग प्रशंसा करते हैं
   B. दूसरों और स्वयं को मानसिक शांति मिलती है
   C. विवाद में जीत मिलती है
   D. लोग प्रभावित हो जाते हैं (B)

व्याख्या : मधुर वाणी से दूसरों को शीतलता और स्वयं को भी शांति प्राप्त होती है।

5. "साँच बराबर तप नहीं..." से क्या निष्कर्ष निकलता है?
   A. सत्य और झूठ समान हैं
   B. सत्य का पालन साधना के समान है
   C. बाहरी परिस्थितियाँ ही सफलता देती हैं
   D. झूठ बोलना उचित है (B)

व्याख्या : दोहे में सत्य को सबसे बड़ा तप बताया गया है, इसलिए सत्य का पालन करना महान साधना के समान है।

6. "निंदक नियरे राखिए..." में किस दृष्टिकोण को अपनाने की सलाह दी गई है?
   A. आलोचना से बचना चाहिए
   B. आलोचकों को दूर रखना चाहिए
   C. आलोचकों को पास रखना चाहिए
   D. आलोचकों की निंदा करनी चाहिए (C)

व्याख्या : आलोचक हमारे दोषों को बताकर हमें सुधारने का अवसर देते हैं, इसलिए उन्हें पास रखना चाहिए।

7. "साधु ऐसा चाहिए जैसा सूप सुभाय..." में 'सूप' किसका प्रतीक है?
   A. मन की कल्पनाओं का
   B. सुख-सुविधाओं का
   C. विवेक और सूझबूझ का
   D. कठोर स्वभाव का (C)

व्याख्या : सूप सार को ग्रहण कर व्यर्थ को छोड़ देता है। इसी प्रकार विवेकशील व्यक्ति अच्छाई को अपनाकर बुराई त्याग देता है।

8. "दुख में सुमिरन सब करें..." दोहे का संदेश क्या है?
   A. केवल दुख में ही ईश्वर को याद करना चाहिए
   B. सुख में ईश्वर को नहीं याद करना चाहिए
   C. हर समय ईश्वर का स्मरण करना चाहिए
   D. दुख से बचना चाहिए (C)

व्याख्या : कबीर जी कहते हैं कि यदि सुख में भी ईश्वर का स्मरण किया जाए तो दुख कभी नहीं आएगा।

9. "पोथी पढ़ि पढ़ि जग मुआ..." दोहे का मुख्य भाव क्या है?
   A. अधिक पुस्तकें पढ़नी चाहिए
   B. केवल ज्ञान से सब कुछ संभव है
   C. सच्चा ज्ञान प्रेम और व्यवहार में है
   D. विद्या बेकार है (C)

व्याख्या : कबीर जी के अनुसार केवल पुस्तक पढ़ना पर्याप्त नहीं, बल्कि प्रेम और व्यवहारिक ज्ञान ही सच्चा ज्ञान है।

10. "कस्तूरी कुंडल बसे..." दोहे में क्या समझाया गया है?
    A. खुशबू बाहर से आती है
    B. मनुष्य को बाहर सुख खोजना चाहिए
    C. ईश्वर हमारे भीतर ही है
    D. जंगल में रहना चाहिए (C)

व्याख्या : जैसे कस्तूरी मृग अपने भीतर की सुगंध को बाहर खोजता है, वैसे ही मनुष्य ईश्वर को बाहर ढूँढ़ता है, जबकि वह उसके भीतर ही होता है।

शिक्षा ज्ञान जब चाहे, जहाँ चाहे, जैसे चाहें।
100% FREE! Video COURSES | QUIZ | DPP | TEST SERIES Download Mission Gyan App